overcome the so-called deficiency? The deficit has to be met. I am not going to find fault with the previous Finance Ministry. Whatever was the situation at that time, I don't want to narrate. I might tell you one more thing for your kind consideration because this is not for any publication. Very frankly, you are fighting for the cause of the poor-- it is a genuine thing. I am not going to question it. There is a surcharge of Rs. 900 per M.T. on crude oil, the indigenous crude oil, which should go to the Oil Pool Account. I have already narrated how the Oil Pool Account was made to starve and what the compelling reasons for hiking the prices of the petroleum products were, etc. After this, I would only make one point. Today I am here, in this place. Tomorrow somebody else may be in my place. Whoever is there, there is no option. Let us understand this. We are doing our best, whatever is possible. It is not that we are taking something here and giving something there. Even today, we have to bear the responsibility for nearly Rs. 4700 crores' deficit in the Oil Pool Account and the subsidy, as you know, is Rs.4.17 per litre on kerosin and Rs. 62.55 per LPG cylinder. This subsidy is there even today. So, please bear with me; please co-operate with me. This decision is taken in the best interest of the nation.

(MISS VICE-CHAIRMAN THE SAROJ KHAPARDE): Mr. happy? Narayanasamy, are you cannot make ...(interruptions).... \[\] everybody happy. So, you should not have any grudge against me.

SHRI S. MUTHU MANI: Madam, we are not satisfied with the reply of the Prime Minister because the decision taken by this Government is affecting all sections of our population. Today the expectation of the common man is belied and he is frustrated. The nation is frustrated by the reply of the Prime Minister. So, there is no other way for us but to stage a walkout.

(At this stage, some hon. Members left the Chamber)

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): I think we are all satisfied with the Prime Minister's reply. Now, if the House agrees, I will take up clarifications on the statement regarding aircraft accident near Kullu on 11th July, 1996.

SOME HON. MEMBERS: Let us take it up tomorrow.

श्री महेश्वर सिंहः महोदया, मैं एक अपील करना चाहता हं। यह इतना महत्वपूर्ण विषय है जिसमें 9 लोगों की जानें गयी है। उनके सैक्योरिटी मेजर्स का ध्यान नहीं रखा गया, इसलिए ऐसा हुआ है। मेरे पास कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न है। तीन दिन से लगातार हम यहां सुबह से शाम तक बैठे रहे। आपने भी यह निर्देश दिया था कि आज निश्चित रूप से यह स्पष्टीकरण ली जाएंगी। मेरा निवेदन है कि कम से कम मुझे मंत्री जी से स्पष्टीकरण पछने का अवसर दिया जाए।

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापडें): मुझे कोई ऐतराज नहीं है। मंत्री जी भी तैयार है।

श्री महेश्वर सिंहः तीन लोग हैं। खत्म हो जाएगा, ज्यादाः सम्बा चौडा नहीं है।

CLARIFICATIONS ON THE STATE-MENT BY MINISTER

Air Craft accident near Kullu on 11th July, 1996

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam, the hon. Minister had already made a preliminary statement on the day the accident took place. Yesterday, he made a comprehensive statement. But there are reports in the Press that the private airlines often violate the load factor. They declare adults and infants. In this particular case, that was not the case because there were only nine passengers. There are no checks and balances because the office of the DGCA is at the headquarters. At the various airports, I don't think there is any check. In this particular case, we don't know how the permission was given by the airport authorities, by the ATC, because we were told that the weather was very bad and there was very poor visibility. Why are they playing with the lives of people? I would like to know whether the

Minister will see to it that the officials of the D.G.C.A. are made to sit in respective airports and control them properly. The second thing, Madam, is that the Minister has mentioned that the Director of Air Safety has appointed as the Inspector of Accidents. Now, the Director of Air Safety is under the Ministry of Civil Aviation and the D.G.C.A. is also under the Ministry of Civil Aviation. Madam, we know that whenever there are accidents in the Railways, the Commissioner of Railway Safety looks into these and he is under the Ministry of Civil Aviation because of which he cannot be biased. I would like to know whether the Minister will see to it that the Director of Air Safety doesn't remain under his Ministry and that it becomes a unbiased authority. I would like to know whether this precaution will be taken by the Minister henceforth.

Madam, Kullu-Manali and Shimla have become international tourist destinations. It is shameful for us to operate a small aircraft like the Dornier. I would like to know whether the Minister will take initiative to see to it that these airports are expanded and that at least a Fokker Friendship or 737 aircraft is permitted to land there. Otherwise, I don't think such accidents can be avoided.

Madam, I have much more to say, but as the House has requested me not to go further, I would request the hon. Minister at least to clarify these two points.

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): मैडम, कहना तो बहुत कुछ था लेकिन मैं सिर्फ सवाल पृछुंगा। पहला सवाल यह है कि मंत्री महोदय इस विभाग में नये आये हैं, इसलिए मैं बयान के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता वरना बयान का तो आधे से ज्यादा हिस्सा सिर्फ एक प्रेस रिपोर्ट है। जो सरकारी तंत्र है वह जिस तरह से चला आ रहा है उसको आने चाले दिनों में आप देखेंगे।

हम तो अखार में रिपोर्ट पढ़ चुके हैं, इससे ज्यादा कुछ हमें मिलना चाहिए चाहे वर्ड्स कम हों लेकिन बयान में कुछ ठोस बातें हों। दूसरी बात यह है कि हर एक्सीडेंट के बाद यह कहा जाता है, मंत्री महोदय कहते है कि फ्लाइट रिकार्डर्स, ब्लैक बॉक्स को भेजा गया। बाद में सदन में किसी को पता नहीं चलता है कि उससे क्या निकला? डिकोडिंग करने के लिए भेजा गया लेकिन डिकोडिंग करने के बाद क्या मिला, वह ज्ञात नहीं होता है, वह कभी मालूम नहीं होता है पिछले जो भी तमाम एक्सीडेंट हुये हैं उनके संबंध में क्या वह सदन में बताने की कृपा करेंगे?

तीसरी बात उन्होंने एयर सेफ्टी के बारे में कही कि कोई कम्प्रोमाइज नहीं करेंगे. कोई कम्प्रोमाइज नहीं किया गया है। लेकिन शिकायत शरू से ही है कि एयर सेफ्टी के बारे में कुछ-कुछ कम्प्रोमाइज हो रहे हैं। अगर मंत्री जी कहते हैं कि ऐसा कभी नहीं हुआ है, नहीं होगा तो हम सेटिसफाई नहीं हो सकते। हम उनसे सेफ्टी के बारे में सवाल पूछेंगे और मैं डिटेल में नहीं जाना चाहता। इस एक्सीडेंट के बाद उन्होंने क्या कदम उठाये हैं और क्या-क्या कदम उठाने जा रहे हैं? सेफ्टी मेजर्स की वजह से हम लोगों की जान से नहीं खेल सकते हैं, उससे कम्प्रोमाइज नहीं करना चाहिए। अब इसी के साथ शुरू होता है डीजीसीए का स्टैंग्थनिंग करना. उसके बारे में आप क्या कहेंगे? और जो अच्छे तरीके के एयर फील्ड हैं और इसी तरह के जो एयर फील्ड हैं जो लैंडिंग के लिए बहुत डेंजरस हैं वहां एयर स्ट्रैंग्थर्निंग को बढ़ाने के मामले में आप क्या कदम उठाने जा रहे हैं? मेरा एक सवाल है कि क्या सेफ्टी मेजर्स के साथ सबसे ज्यादा कम्प्रोमाइज हुआ है? जब से यह एयरटैक्सी आपरेटर्स, एटीओ और उसके बाद प्राईवेट एयर लाइन्स को काम दिया है, यह सब ऑपन स्काई पालिसी के साथ शुरू हुआ है। प्रधान मंत्री जी कह रहे थे कि यह तो कंटीन्युअस मामला है, बहुत सी पालिसीज़ हैं। उनसे असर होता रहता है तो क्या आप ओपन पालिसी को रिव्य करेंगे? आपसे फेयर के बारे में पूछते हैं तो कहते है कि आपकी सरकार कुछ नहीं कर सकती है। अभी महेश्रर जी ने अर्चना एयरवेज के बारे में कहा, कुल्ल के बारे में कहा कि ज्यादा रूपया लेते हैं। मंत्री महोदय का बयान था कि वह कुछ नहीं कर सकते हैं लेकिन एयर सेफ्टी के बारे में तो कर सकते हैं? प्राईवेट एयर लाइन्स के ऊपर मैं नहीं कहता कि बन्दिश लगाइये लेकिन जो नाम्स् हैं. उनका पालन तो सही तरीके से हो. उसके बारे में आप क्या कहेंगे? अभी परसों अखबार में बयान था कि ये सब प्राईवेट एयर लाइन्स मिलकर के एक कार्टेल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, फोरम नाम देकर इकट्ठा होने जा रहे हैं, प्रेशर ग्रुप बनाने जा रहे हैं, डीजीसीए के मकाबले में, हकमत के मुकाबले में मिनिस्ट्री के मुकाबले 303

में, तो आपने डि-मोनोपोलाइजिंग किया उसको, but if that leads to cartelization, तो आप कहां जायेंगे? आपको इस बारे में जो कदम उठाना पर्डेगा, वह कदम क्या आप उठायेंगे? उसको ध्यान में रखना पडेगा और ये काम अगर आप कर सकते हैं तो हम सब आपके साथ है और अगर आप नहीं कर सकते हैं तो मजबरी क्या है जरा आप बता दें? المنترى محدسليم: ميوم- كينا توببت كي سموال یہ ہے کہ منتری مہود سے اس و مجاکث میں نے آئے میں ۔ (میلیڈمیں بران سیجے باسع میں زیادہ کھی بنیں کتنا جا ہتاوہ بيلن كاتوا ويعييه زياده حقد حرمه عيت میں ہے۔ جسم کا ای تنزسیے میں ہے۔ جسم کا ای تنزسیے (ورجسم سے جلاز رہاہے۔(سکو توا خيادمين د بوره برم حرج هيك بين اس معەزىادە بى بىرى ملناچا يىن چاھە وروس كم مهول ليكن بيان ميں كي موس با تیں مہوں - دومسری با مت پہیے کہ ہر الكسيط نعث كتاب بيه كباجا تابيد منترى ودے کہتے ہیں کہ فلائکٹیہ بریکاری بوكته كوتجعيداكاسيه يعدميوممعون میں کسی کو بیت بنیں چلتا ہے کہ اس سے كانكلا - أي كور لك كور الله بعيها كاللك روى ولانك كونسك ودكيا ملا-

ميس مو تاسع- كله جريع بمام ايكسيفن معورت بين الت مستعينه وصمع بكابوه مععوب میں بتکنے کا گر ہ ما دے میں کہ رکہ کوئن کمکیو مائٹر تنبور کرنگئے تقوع سے ہی سے کہ ایکرسیفٹی کے با دیمیں جى يكيمة بس كرايسا تعي بين موا-تنين مبوكا توج معيشىغان تبين معر سیلیز - ہم ان معصیفی کے با دے میں ول پو جمعینگر وور میں جیمل میں بنیں جانا چلہتا اس درکت و منصب کود الغوں نے کیا قدم (عفام يس - اوريكاكيا فنم المقاف جاري يفير ميرس س وجه سي مهم ويك ى وان سے بنى كيك مسكتے ہيں۔(مس سے ممروما مرزنیں کو ناچا پینے ۔ اب اسی کے ساقة ترم مروتكيع-دى-جى-سى-ر ہے۔ کا د مسٹرینچننگ مرنادسے بارے مِين آب كِيَا مِكْمِناكُ - (ورجوا فِيعِ طريقية مے معلمہ میں آب کنا قدم المعانے جا دیسے میں-میرا ایک معوال ہو کاکیا میفنے میجس

مص من توسب سعة زياده مكيره ما مخرمهوا یے۔ جب بیعرہ ہودئیکس کا مریقرس -(ے۔ ئی ۔ او-اود ایسے کو مرا میوسٹ إبرالانسركوكام دياميه-بهمسب اوين اسكائ بالسيء ساقه مشرع موليع-بردهان منتری چی که دسیر تحق که یه تو كني نعويش معامله سيء ببيت سي ماليسة میں انمیں ارد بروام العاليد تو کيا لاب اوين بالبسي كؤرى ورووكزيني أب سي كزاي مے بارے میں بوقعیقے میں تو یکھے ہیں ک اً بني سركاد لي نبيي أسكتي سے - ابھي مستورج فارجنا ايرويزك باب میں کیا۔ ملو کے بادے میں کہا کہ زیادہ ضاكروه كيونيس كرسكة بين ليكن ايسر فرم کے اربے میں تو کرسکتے ہیں -ويدف إيرالانسس كروبرميريس لبناك مذيش لكله يع ليكن حو تارمسرسي-ا نعًا بالن توصحيه لمريق سيه واست بارس میں اب کی کہنے - اعبی ارسوں (ميئولائينس ملكركة ايت كرمل بنلن ي كوشش كررسي بي - فورع نام د*ے كرا كھيا* معرف جاری ہیں۔ بریشر محروب بنانے جاریم ہیں۔ جی۔ جی۔سی۔ اسے . کے

مغايع مس حكومت كم مقايع مس منسك مقابلے میں - تو 1 یے فی مونوبولائزنگ كنااسك مث آف دبيف ليؤى تومينه لا مُرْيِيشِي" تودّب كَهَا ن جامِيكِي حَرّ بِلَوَ اس باسے میں جو تعدم انتفازا بر سکا -وه تعدم كيالاب المعاليكية اسكوديه ميں رحمن بر بھا اور بہ کام دکرا ہے کر مسكته بين تومم مسب أينكسا قع مين ا ور در الرس بنی کرسکتے ہیں تو محبوری كيا يعذوراكب بنادين-لاختم متمعيظ श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश)ः उपसभाष्यक्ष महोदया, यह दुर्घटना हिमाचल प्रदेश में 11 जुलाई को घटी थी और मंत्री जी ने ठीक 6 दिन के बाद कल वक्तव्य दिया। मुझे लगता था कि वे विस्तृत जानकारी देंगे, लेकिन उनका उत्तर बिल्कुल संतोषजनक नहीं है। उनका जो यहां पर स्टेटमेंट हुआ है अच्छा होता कि

सबसे पहले तो जो बात सलीम साहब जी ने यहां कही कि पहले भी कुल्लू के लिए, हिमाचल के लिए वायुद्त की उड़ानें जाती थी, लेकिन पूर्व सरकार ने हम सबको प्राइवेट एयर टैक्सीज के हवाले कर दिया, उनके रहमोकरम पर छोड़ दिया। एक तरफ तो वे मनमाना किराया लेते हैं, लूट मचाते हैं, तीन हजार छियालीस रुपये आज कुल्लू का किराया है, यह बात माननीय सदन में कई बार उठाई जा चुकी है। दूसरा, वे मौसम का कोई ध्यान नहीं रखते। कभी-कभी तो अच्छे मौसम में भी तकनीकी कारणों की आढ़ लेकर प्लेन को प्राउन्ड कर देते हैं। कभी-कभी ऐसे बुरे मौसम में भी उड़ान भर लेते है। सबसे पहले मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहंगा कि क्या आप हिमाचल प्रदेश की जो तीन हवाई पट्टियां है उनके लिए इंडियन एयर लाइन्स की फ्लाइट चलायेंगे ताकि भय और अस्रक्षा के वातावरण में जो हम यात्रा करते हैं उससे मुक्त हो जायें? आप कहेंगे कि हमने

12 जुलाई को शुन्यकाल के दौरान जो बिन्दु मैंने उठाये

थे अगर उनकी ओर मंत्री महोदय का ध्यान गया होता तो आज ये विस्तृत जानकारी देते और पुनः मुझे

स्पष्टीकरण पुछने की आवश्यकता न पहती।

एयर टैक्सीज चला दी हैं, यह सुफिसियेन्ट नहीं है। जब पहले वायुदूत की फ्लाइट चलती थी तो कभी कोई दुर्घढ़ना नहीं घटी फिर आज इंडियन एयर लाइन्स को फ्लाइट चलाने में क्या दिकक हैं?

दूसरा, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या यह सत्य नहीं है कि अर्चना एयरवेज को जो आपने लाइसेंस दिये हैं वे दिल्ली से कुल्लू और दिल्ली से शिमला उड़ान भरने के हैं। 11 जुलाई को इन्होंने दोनों पलाइटों को क्लब किया। क्लब करके यहां से प्रातः 7 बजे उड़ान भरी। इन दोनों उड़ानों को भरने की अनुमति किसने दी? बिना अनुमति के, बिना लाइसेन्स के वे दिल्ली से कुल्लू वाया शिमला प्लेन ले गये, किसकी अनुमति से ले गये, यह जवाब मैं मंत्री महोदय से जानना चाहुंगा।

मंत्री महोदय का उस दिन का जो स्टेटमेंट था और जो स्टेटमेंट आपने कल दिया. उन दोनों में विरोधाभास है। 11 जुलाई को मंत्री महोदय ने स्पष्ट कहा कि यह दुर्घटना वहीं घटी है जहां हिमाचल प्रदेश और पंजाब के तत्कालीन राज्यपाल महोदय स्वर्गीय श्री सुरेन्द्रनाथ जी का प्लेन क्रैश हुआ था और आज आप यह कहते हैं कि यह घटना घटी है मंडी जिले के कांडा गांव के पास। मैं यह जानना चाहंगा कि कौन सी बात सही है क्योंकि दोनों स्थानों में 50-60 किलोमीटर का अन्तर है? कैसे आप कहते हैं कि उस क्षेत्र में यह घटना घटी 🕯। अगर उस दिन स्टेटमेंट गलत था तो आखिर आपको यह गलत सुचना किसने दी? क्या यह सत्य है कि 11 जुलाई को शिमला में मौसम बहत खग्रब था? साढ़े आठ बजे तक वहां भारी वर्षा हो रही थी. धुन्ध थी। सात बजे इस प्लेन ने दिल्ली से टेक ऑफ किया। यह बेहदर क्लियरन्स किसने दी? महोदया, शिमला से कुल्लू के लिए 11 जलाई को 8.33 पर इस प्लेन ने उड़ान भरी और कुल्लू पहुंचने के लिए केवल 17 मिनट लगते हैं। यह विज्युअल फ्लाइट है। इसके अतिरिक्त शिमला और कुल्लु दोनों जगह मेट सुविधा उपलब्ध है। यह उड़ान भरने से पहले क्या मेट सुविधा का उपयोग करके वहां पर रिपोर्ट ली गई थी? मैं तो समझता हूं कि वहां वेहदर रिपोर्ट लेने की जरूरत भी नहीं थी क्योंकि विज्युअल फ्लाइंग है सिर्फ 17 मिनट लगते हैं। मंत्री महोदय ने उस दिन खर्य कहा...

SHRI JOHN F. FERNANDES: The statement states that the weather was bad till 12 o'clock.

SHRI MAHESHWAR SINGH: Yes, the weather was bad till 12 o'clock and

the accident took place at 8.54 a.m. or even after that. क्योंकि मंत्री जी ने खुद कहा कि 8.33 पर इस प्लेन ने उड़ान भरी, भुंतर में 8.50 पर पहंच जाना चाहिए था। मंत्री जी ने स्वयं यह बात कही कि इसका जो सम्पर्क ट्रटा वह 8.53 व 8.54 पर ट्रटा। इसका यह सीधा अर्थ है कि यह दुर्घटना 8.53 या 8.54 के बाद अभिघटित हुई जबकि 17 मिनट में वहां प्लेन को पहंच जाना चाहिए था। इसका सीघा अर्थ है कि खराब मौसम की वजह से प्लेन अपने निर्धारित रूट से भटक गया और जहां यह दुर्घटना हुई है मंत्री जी, पता कर लीजिए वह स्थान इस प्लेन के रूट में ही नहीं आता है क्योंकि शिमला से कुल्लू जैक्शन फ्लाइट द्वार हम लोग अनेकों बार गये हैं। जिस स्थान पर राज्यपाल महोदय का प्लेन क्रैश हुआ था यह उसी रूट में आता है। लेकिन यह जगह कुल्लू से 30 किलोमीटर, जिसको पाराशर झील कहते हैं, जिसके पास पहाड है यह वहां घटित हुई। इसके लिए कौन जिम्मेदार हैं?

दूसरा मंत्री महोदय आपने उस दिन कहा कि यह जो दर्घटना घटी. यह प्लेन पहाड की चोटी से टकराकर क्रैश हुआ यह आपके स्टेटमेंट में है। लेकिन आज आप कहते हैं कि एक पेड़ से प्लेन टकराया और वहां किसी भ्रामीण की झोंपड़ी पर जा गिरा। तो मैं जानना चाहंगा कि कौन सी बात सही है? वह पेड़ से टकराया या पहाड़ से टकराया? अखबार कहते हैं कि जो कांडा पहाड है. उसकी जो चोटी है वह 8 हजार फुट ऊंची है उससे प्लेन टकराया और उस चोटी की कंचाई से 20 फुट नीचे जा गिरा। आप कहते हैं कि वह पेड से टकराया और झोंपड़ी पर गिरा। अगर ऐसा है तो मैं जानना चाहुंगा कि जिस ग्रामीण का घर खत्म हो गया, जहां प्लेन गिरा उसको आपने क्या मुआवजा दिया? साथ ही जो तीन ग्रामीण वहां घायल हए हैं उनको कितना आपने मुआवजा दिया और जो मर गए उनके आश्रितों को क्या दिया? जहां तक हिमाचल प्रदेश में पड़ियों के निर्माण का संबंध है, आपने मेरे एक प्रश्न के उत्तर में कहा है कि इसके लिए इस वर्ष आपने प्रावधान किया है। इस साल पैसे का प्रावधान कुल्लू के लिए भी है, शिमला के लिए भी है। तो मेरा नम्र निवेदन रहेगा कि उस पैसे का आप जल्दी से जल्दी इस्तेमाल करिए। आप बार बार जो प्राइवेट एयर टैक्सी की वकालत यहां करते हैं, कृपया उसको बन्द करिए। जिस प्रकार का उत्पीडन वह कर रहे हैं उससे हमको बचाइए। यह मैं अकेला नहीं कह रहा हूं बल्कि हिमाचल प्रदेश के अनेकों लोग कह रहे हैं। अब मलमास खत्म हो गया, जिसको परुषोत्तम मास भी कहते हैं। इस मास में विवाह-शादियां बंद होती हैं। अगर इस फ्लाइट में हनीमून मनाने के लिए प्पल जाते तो न जाने कितने नौजवान मर जाते। दूसरे शुक्र है कि यह दुर्घटना शिमला पहुंचने से पूर्व नहीं घटी, नहीं तो 19 लोग मरते। जब उस प्लेन ने दिल्ली से टेक-आफ लिया था तो उसमें 19 लोग थे, इन्वलूडिंग क्रूं। 16 उसमें पैसेंजर्स थे और 3 क्रू थे। तो मैंने जो प्वाइंटेड क्वेश्चन पूछे हैं, मुझे विश्वास है कि मंत्री जी इधर उधर की बात न कहकर उनका सीधा उत्तर देंगे और अगर उनके पास अभी जानकारी न हो तो कृपया जिन अधिकारियों पर आप निर्मर करते हैं उनसे कहें कि सही सही सूचना आप दें, यह तभी उचित होगा। यह कहने से कि आइंदा सेक्योरिटी मेजर्स लिये जायेंगे, इससे हम संतुष्ट होने वाले नहीं हैं।

SHRI PREM CHAND **GUPTA** (Bihar): Thank you, Madam, Chairman. Accident of Archana Airways is second in a row in the danger prone area of Kullu-Manali in the Himalayas. To fly on this route, the pilot needs special skills, special technical expertise and proper telecommunication system between the plane and the controlling airport. Although an inquiry has been ordered by the hon. Civil Aviation Minister, my personal feeling is that this crash was a case of human error. Although the pilot was experienced-he had done 8800 flying hours-from the information available, it seems that he deviated from the given route. He deviated from the height also and thus entered into clouds and, ultimately, ended up with a serious accident. Madam, 70% of the air accidents happen because of human error and what happens is because of the routine flying duty, the pilots become over-confident and sometimes complacent. To check this tendency and ensure full alertness. the Committee in 1974 recommended that the flight inspection system should be mandatory. The DGCA decided to form separate · Division experienced pilots from various airlines like the Indian Airlines and Air India to ensure that all pilots operating in India are checked and to ensure that the

does complacency not exist these experienced pilots of the safety department were supposed to carry out periodical checks on the pilots. At one point of time, the ICAO commanded this department of the DGCA. The DGCA was to increase the number of such check-pilots from nine to fifteen. I do not know what happended to the functioning of this department today. I wonder whether it still works or not? Madam. this particular incident was a serious safety compromise which caused this serious accident. We lack in proper navigational and landing instruments at the airports. We do not have the advance warning systems on the planes and such lack of gadgets lead to accidents. I would request the hon. Minister to find out whether Archana pilots were checked by the Air Safety Department of DGCA. I would also like to know whether the navigational instruments were functioning at the time of this crash.

SHRI M.A. BABY (Kerala): Thank you very much, Madam. Since most of the points have been covered, I would only like to ask from the Minister a specific but very important question. So, I would appreciate if I have the attention of the Minister to this particular question.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Mr. Minister.

SHRI M.A. BABY: Madam, in the statement made by the Minister, there is a reference to the airworthiness of aircraft and it has been stated that the safety and airworthiness of the aircraft would never be compromised. appreciate that assertion and we wish that this should be seen in deeds rather than in words. But, the point is, Madam, the previous administration, in its wisdom or otherwise, decided to have an open-sky policy. By taking advantage of this, many pilots and air-taxi operators have come into existence. Madam, I do not think anybody present in this House would dispute if I make this statement that 99 per cent of the aircraft which are being used by all these private air-taxi operators are leased out from various foreign companies and these aircraft are rejected in their respective countries due to the fact that these are not airworthy. It is not safe to use these aircraft for passenger traffic or any other traffic. Madam, this is a fact. The saddest part of the entire situation is that everybody knows this. If somebody takes trouble to understand it, he would know this fact that 99 per cent of these aircraft are not airworthy. Madam, the fact is that these aircraft still somehow manage to fly. Madam. am а born atheist.(Interruptions)... even I am forced to believe whether there can be any supernatural force which is controlling the entire situation. Madam, I am coming to the point. Madam, the Minister has taken over this important portfolio along with other important portfolios. I would like to know from him whether he would give special attention to find out, perhaps by appointing a team of experts-not the Parliamentary Committee because we are incapable understanding the of technicalities-whether aircraft these which are being flown by these private air-taxi operators are airworthy or not. I do not know whether such aircraft are being retained by the Indian Airlines or Air India. In any case it won't be in Air India. But in the case of Indian Airlines, I think it is worth examining. So in view of the very sad accident that has taken place, and in view of another accident that had earlier taken place, and because we are dealing with the lives of the people. I want the Ministry to pay special attention to make an assessment whether these aircraft which are being used are airworthy; and we have to be very stringent and not compromise on the airworthiness and safety. Thank you very much. Madam.

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Madam, everything has been said. I do not want to take much of the time. But only one point I want to make. Along with the air safety how have the passengers been treated? It is not only a question of safety but there is also the question of treatment meted out to the passengers. If you get into autorickshaw and the driver misbehaves with the passenger, he can complain to the traffic police and they may take this autorickshaw to the police station. But in the case of private air taxis, the operators can do anything with the passenger. Nobody is there to question them. So I want to know from the hon. Minister as to what the conditions are, how you regulate the whole thing, how you attend to the complaints of the passengers. Mr. Salim has rightly put it, that new cartels have been formed, and the private entrepreneurs are competing for the benefit of the consumers. But here the private entrepreneurs are forming cartels to exploit the consumers. So this is the basic difference. I want to know from the hon. Minister as to what steps he is going to take to regulate the whole operation and attend to the complaints because one of my colleagues Mr. Arunachalam was thrown out of the plane, from NEPC Airlines. He was thrown out of the private plane. Do you want to repeat such a situation or are you going to regulate because this is the second accident? The first one was at the Indira Gandhi International Airport here in Delhi involving Sahara Airways. It was all God's providence. We do not know what happened to the enquiry of that accident at the International Airport here in Delhi. Your officers might have hushed it up, I do not know. So I would like to know what are the steps you are going to take to ensure the safety of the aircraft passengers; to regulate the daily operations and to understand what is going on, and to protect the interests of the consumers and the passengers.

OF MINISTER CIVII. AVIATION AND THE MINISTER OF **INFORMATION** AND BROADCASTING (SHRI C.M. IBRAHIM): Madam Vice-Chairman, I fully agree with the Members as far as the safety of the flight is concerned.

पहली बात हमारे साधियाँ ने पूछी कि क्या इंडियन एयरलाइंस की फलाइट वहां पर चला नहीं सकते हैं। महोदया, वायुदूत के मर्ज होने के बाद हमारे पास कोई छोटा जहाज नहीं है, इंडियन एयर लाइंस के पास जो भी है वह 320 है, 737 है।

श्री महेश्वर सिंहः तो खरीद लें मंत्री जी।

श्री सी॰ एम॰ डब्राहीम: 50 सीटों के छोटे जहाज है। खरीदने के लिए डिपार्टमेंट को हमने कहा है। टेकिकल कमेटी की रिपोर्ट डवाल्व होने के बाद शायद वह कोशिश हमारी होगी। दसरी चीज इंक्वायरी रिपोर्ट की कही है। ये जितने रिपोर्टे हुई हैं, वे टेबुल आफ द हाउस पर रखी गयी हैं—पहली, पिछली रिपोर्टे। इस बार जो इंक्वायरी हो रही है यह एयर मार्शल एस॰ एस॰ रामदास. ओपेन इंक्वायरी रखवायी गयी है। ये जितने भी महे. बातें यहां पर उठायी गयी हैं even the public can participate in that enquiry. They can give the evidence, इंक्वायरी होगी। जब किसी एयर मार्शल को अंडर रूल 75 आफ द एक्एकाफट रूल्से के मातहत एप्वाइंट किया भूया 🛊 तो यह बात आपने उठाई कि वेदर ठीक नहीं था, अगर मैं कहं वेदर ठीक था तो इंक्वायरी कैसे चलेगी। मैं सरकार की तरफ किसी बात से इंकार भी नहीं करता और इकरार भी नहीं करना चाहता।

8.00 म॰प॰ इसलिए कि अगर इन्कवायरी आर्डर नहीं की गई होती तो मैं इस बात को परी जांच को रखता। लेकिन आज जांच चल रही है इन्कवायरी कमीशन जो बैठाया गया है उनको हमने पछा है कि तुरंत एक रिपोर्ट दिया जाए एक विषय पर कि क्या भनतर एअरपोर्ट के अंदर कोई टैक्रीकल खराबी रही है। जहां तक कि वैदर रिपोर्टिंग करने का हो या दसरी बातों का हो तो यह रिपोर्ट फौरन दिया जाए। जब तक यह पूरी रिपोर्ट नहीं आएगी और जो ब्लैक बॉक्स की डीकोडिंग शुरू हुई है उसकी रिपोर्ट जब तक २हीं आएगी कोई चीज़ तब तक मैं इस वक्त नहीं कह सकता। दसरी चीज़ जो है, यह डाइरेक्टर (एयर सेफ्टी) वह सिर्फ प्रिलिमिनरी इन्कवायरी किया है इसकी डिटेल इन्क्वायरी के लिए कोर्ट आफ इन्क्वायरी बैठाई गई है। उसकी रिपोर्ट आने के बाद हम आपको दिखायेंगे। जहां तक यह एयरकाफट का सवाल है तो यह दो साल ही प्राना था। यह नया एयउकापर था।...(व्यवधान)...

श्री महेश्वर सिंहः हमने यह तो कहा ही नहीं है। श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः नहीं, आपने नहीं कहा। श्री महेश्वर सिंहः जो बिंदु उठाए हैं आप उनका जवाब दे दीजिए। आप डिकोडर का जवाब दे रहे हैं

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः नहीं-नहीं, दूसरे जो उठाए हैं उन सभी को जवाब चाहिये। एक मुद्दा लेकर कैसे बैठ जाऊं, दूसरे मुद्दे भी हैं। एक-एक करके जवाब दे रहा हं। आपका जवाब दिया लेकिन जब सभी सदस्यों ने पूछा है तो उनका भी जवाब देना है। तो यह नया एअकाफंट था। दो साल पूराना था और पायलट काफी अनुभवी थे जिनका उड़ान में हजारों घंटे का अनुभव था। मैडम, जब तक रिपोर्ट नहीं आती तब तक मैं इस बात को परी सफाई के साथ कह नहीं सकता कि हुआ है। जिस तरह मेरे अन्य साधियों ने कहा कि प्राडवेट एयरलाइंस के अंदर नाम्ज़ क्या हुए हैं। इसके बाद तो एक प्राइवेट एयरलाइंस को तो पूरा कम्प्लीट ग्राउंड कर दिए, दो कारण की वजह से, एक पैसा बाकी था, दूसरा उनकी एअर सेफ्टी **पर हमको अनमान था तो इसलिए** हमने कहा कि इसको ग्राउंड किया जाए और पिछले 15 दिन से एअर इंडिया का तो पूरी सेफ्टी कर चुके हैं। हमने यह हिदायत जारी किए हैं कि जितने प्राइवेट एयरलाइंस है सब का एअर सेफ्टी. एअर वदीनेस जो है दोबारा से रैंडम चैक किया जाए कम्प्लीट चैक किया जाए। अगर छोटा भी अनुमान हो तो उसको उड़ने न दिया जाए। यह हिदायत हमारे डी॰जी॰सी॰ के माध्यम से दे चुके हैं। यह तमाम करने के बावजूद, मैडम, मशीन है। एक्सीडेंट प्रासीडेंट है। कभी नई चीज़ एक्सीडेंट हो जाती है, कभी पुरानी चीज़ एक्सीडेंट हो जाती है इट इज बैड । इट इज अनफार्चनेट । काफी लोगों को उस दिन जाना था लेकिन कम गए क्योंकि अगर वह शिमला में होता तो 19 लोग मारे जाते। जो लोग मरे हैं उनसे सहानभति और कंडोलेंस हम एक्सप्रैस किए हैं। इट इज़ एन अनफार्च्नेट एक्सीडेंट। जहां तक आपने कहा कि इस मकान पर पड़ी है तीन लोग जो घायल हए हैं. अगर कोई प्रोविजन है मेरे डिपार्टमेंट के माध्यम से उनको कुछ देने का इंशोरेंस तो खैर इट इन ए फुली इंशोयर्ड फलाईट, जो लोग मारे गए हैं उनको पांच लाख रुपये तक हरेक व्यक्ति को मिल जाता है। जिस कारण से जो होता है उससे हम इंशोरेंस से क्लेम कर सकते है। अगर कोई प्रोविजन है डेफीनेटली आई एशोर य(व्यवधान)

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (बिहार): एक्सप्रे-शिया तो आप दे सकते हैं?

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः जी हां।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालियाः आपका डिस-क्रीशनरी पावर है। आप दे सकते हैं क्योंकि उस गरीब ने तो कभी सोचा भी नहीं। एक छप्पर जिसने बनाया उसने तो कभी सोचा भी नहीं कि मेरे ऊपर जहाज गिरेगा।
...(ट्यवधान) उनको तो आप दीजिए और वह आपके
रूट में भी आता। अगर रेलवे लाइन के ऊपर कोई
मकान बना ले और ट्रेन से टकरा जाए तो बात दूसरी
है। लेकिन यहां तो आप दे ही सकते हैं।

श्री महेश्वर सिंहः उन लोगों को तो आप दीजिए जिनके मकान खत्म हो गए और जो लोग घायल हुए ...(व्यवधान)

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः तो अगर इंशोरेंस कवर में वे नहीं हैं(व्यवधान)

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालियाः मंत्री जी, इंशोरेंस मकान का, मेरे मकान का इंशोरेंस नहीं है, मैं सरकारी मकान में रहता हूं।

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः नहीं-नहीं, फ्लाईट की वजह से जो हुआ है।(व्यवधान)

श्री एस॰एस॰ अहलुवालियाः आप की फ्लाइट का इंश्योरेंस कुछ भी रहा हो, वह तो आप ने अर्चना एअरवेज पर डाल दिया। पर सरकार क्या करेंगी? सरकार की कछ जिम्मेदारी है कि नहीं?

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः वह तो फुल्ली इंश्योर्ड है। उनको तो इंश्योरेंस मिलेगा ही।

श्री महेश्वर सिंहः जो स्थानीय ग्रामीण लोग हैं, उन के लिए सरकार क्या करेंगी?

श्री सी॰एम॰ इब्राहिम: जो स्थानीय लोग हैं, उनको भी थर्ड-पार्टी अंडर-कवर रहता है। ...(व्यवधान)

श्री महेश्वर सिंहः मंत्री जी, वह साय पहाड़ी क्षेत्र है और वह 80 हजार फुट ऊंची जगह है। अब सर्दियों का मौसम आनेवाला है और जिस गरीब का घर नष्ट हो गया है, आप अनुमान लगाइए अगर यह सत्य है तो उस की क्या हालत होगी?

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः उस को इंश्योरेंस मिल रहा है न । उस को मिलेगा।

श्री महेश्वर सिंहः वह थर्ड-पार्टी इंश्योरेस न जाने कब मिलेगा? आप क्या करेंगे? सरकार भी "एक्स-ग्रेशिया ग्रांट" देती है?

श्री एस॰एस॰ अहलुवालियाः महोदया, एस्ते पर अगर किसी ट्रक या बस वाले से किसी का एक्सीडेंट हो बाये तो थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस ट्रक और बस का भी होता है, किंतु गांव वाले उसी टाइम घेर लेते हैं कि कम्पेनसेशन दो। अब ये बेचारे गांव वाले आप को तो नहीं घेर सकते, किंतु गांव वालों के रिप्रजेंटेटिव आप को घेर रहे हैं। आप अपनी तरफ से क्या देंगे यह बताइए? श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः महोदया, मैं अपने अधिकारियों से विचार करूंगा और अगर इसमें हो सकता है तो definitely I will consider it.

उठाया था कि इन को उस रूट का लायसेंस ही नहीं था, who allowed them to club both the flights? और फिर वह वाया शिमला कैसे गये? इस बात की तो जानकारी आप को होनी चाहिए। दूसरे उस दिन आप ने कहा, मैं उसे पढना चाहंगा। आप ने उस

श्री महेश्वर सिंहः मैडम, मैंने एक महत्वपूर्ण इश्य

दिन कहा है कि यह वही स्थान है जहांकि राज्यपाल महोदय का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। मैं पढ़कर बता देता हूं, मेरे पास उस दिन की प्रोसीर्डिंग है(च्यवधान)... मंत्री जी मुझे अपनी बात पूरी करने

दीजिए। आप के स्टेटमेंट के बाद अखबार में भी वहीं स्थान दर्शाया गया, लेकिन अब कल आप ने कहा कि यह दुर्घटना किसी और जगह घटित हुई। उस दिन आप कहते हैं कि विभान पहाड़ की चोटी से टकराया। आज

कहते हैं कि पेड़ से टकराया और घर पर गिरा। अगर आप को इस प्रकार की गलत सूचना किसी अधिकारी ने दी है तो उस के खिलाफ आप क्या एक्टन लेंगे?

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः देखिए, जिस दिन दुर्घटना हुई, दो घंटे बाद जो भी हम को सूचना मिली वैसी हम ने आप के सामने रखी। अब जो डिटेल्ड इनफॉर्मेशन हम को मिली, वह भी आप के सामने रखी है। दुर्घटना होने के तीन घंटे के अंदर हम ने इस दुर्घटना के बारे में यहां सुनाया। अब पहाड़ पर पेड़ है और वह पेड़ को टकराया। पहाड़ को टकराया। पहाड़ी इलाके में सारे घर

भी महेश्वर सिंहः मंत्री जी, आप की जानकारी के लिए बता दूं कि ऊंचे पहाड़ पर पेड़ नहीं होते।

...(व्यवधान)... आप स्तिए ...(व्यवधान)...

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): May I make a request? If there is a dialogue going on like this, there will be no end to it. The Minister has made a presentation of his case.

SHRI MAHESHWAR SINGH: He is fully competent: let him reply.
...(Interruptions)...

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिम: आप मुझे पूरा बोलने तो दीजिए। आप पार्टली सवाल कर रहे हैं। श्री महेश्वर सिंहः इस में पार्टी कहां से आ गयी? मंत्री जी आप के इस कथन पर मुझे आपति है।

श्री सी॰ एम॰ इब्राहिमः पार्टली सवाल के मायने हैं, आप पार्ट में सवाल कर रहे हैं।

भी महेश्वर सिंहः आप बैठ गए, तभी पूछ रहा हं। श्री सी॰ एम॰ इब्राहिम: इस में एप्रूव्ड रूट है। इस के लायसेंस की कोई जरूरत नहीं होती है. सिर्फ एअर-ट्राफिक क्लिअरेंस की जरूरत होती है। एअर ट्राफिक विलाओंस देने के बाद ही जहाज वहां से उड़ा है। यह मेरे पास इनफॉर्मेशन है। इसलिए मैं आप से कह रहा हूं कि एक ओपन इंक्वायरी हो रही है और यह तमाम चीजें ओपन इंक्वायरी के सामने उठायी जा सकती है। फिर कोई ऐसी चीज न हो कि हम यहां कुछ बोल दें और इंक्वायरी पर कोई इफेक्ट हो। तो मैं आप को पूरी तरह से आश्वासन देता हूं कि यह इंक्वायरी जो होगी. फेयरा होगी। आप भी किसी को वहां पर भेज सकते हैं क्योंकि आए उस क्षेत्र से आए हैं. If you are having any other information, you please pass it on to me, and definitely I will take action. ... (Interruptions)...

STATEMENT BY MINISTER Incidents of Death or Pilgrims at Ujjain and Haridwar on 15th July, 1996

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Just a minute. Will you just bear with me for two minutes more?

I have before me the Supplementary List of Business for today. Shri Maqbool Dar is sitting here for the last two hours. He would just like to make a statement on the incidents of death of pilgrims at Ujjain and Haridwar.

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): Was the Supplementary List of Business circulated?

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Yes.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालियाः मैडम, मंत्री जी इसे लेकर दें। पढ़े नहीं।

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापडें)ः नहीं। प्रमुए आप, मंत्री जी। SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam, it is a long statement. It can be taken up tomorrow.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI MOHD. MAQBOOL DAR): Madam,

During the course of discussion in the Lok Sabha on July 16, the Hon'ble Home Minister shared the concern of the Hon'ble Members on the heavy loss of life which took place at Ujjain and Haridwar, and had promised to obtain information from both the State Governments.

The State Government of Madhya Pradesh has informed that on July 15 a large crowd of devotees had gathered at the Mahakaleshwar Temple, situated in Ujjain city, at around 5.30 a.m. There were about 3000 persons in the temple premises and another 6000 to 7000 persons at queue outside the temple. The stampede occurred at the feet of a staircase leading to the temple sanctum where the pilgrims rushed for worship. The immediate cause of stampede seems to have been some persons slipping on the wet marble floor. It was reported that 34 persons were declared dead on arrival at the Ujjain civil hopital. These included 23 males including 1 child and 11 females. 29 persons were admitted to hospital with injuries of whom 7 were reported to be seriously injured. Six of the seriously injured have since been shifted to the medical college hospital at Indore for specialised medical treatment. The State Government of Madhya Pradesh has announced a high level administrative inquiry into the causes of this incident which will be conducted by a judicial official. The terms of reference of this inquiry include the causes of the tragedy, the adequacy of arrangements made by the district authorities, the promptness with which medical assistance was provided and steps to be taken in future to prevent recurrence of such incident. The State Government has